अलवर के राजगढ़ वन रेंज में 18 करोड़ के घोटाले की जांच पीएमओ तक पहुंची

मुख्य वन संरक्षक संस्थापन विजय एन को जांच अधिकारी बनाया

- **शिकायत में तीन डीएफओ सहित कई जिम्मेदार अधिकारियों के नाम होने की बात सामने आई, वर्ष 2012 से 2024 के बीच प्लांटेशन, मृदा संरक्षण और दूसरे वन कार्यों के नाम पर कथित अनियमितताओं का मामला**
- **मामले में तीन डीएफओ के नाम सामने आने के बाद शिकायतकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया कि कथित अनियमितताओं की राशि बढ़कर 100 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है**

अलवर, (निसं)। जिले के राजगढ़ वन रेंज में वर्ष 2012 से 2024 के बीच प्लांटेशन, मृदा संरक्षण और दूसरे वन कार्यों के नाम पर कथित अनियमितताओं का मामला अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक पहुंच गया है। शिकायत के आधार पर मामले में जांच शुरू की गई है। मुख्य वन संरक्षक संस्थापन विजय एन को जांच अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने शिकायतकर्ता से आरोपों से जुड़े दस्तावेज और अन्य साक्ष्य उपलब्ध कराने को कहा है।

मामले में वन विभाग के तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में तीन डीएफओ समेत कई जिम्मेदार अधिकारियों के नाम होने की बात सामने आई है। जांच शुरू होने के बाद वन विभाग में इस मामले को लेकर हलचल बढ़ गई है।

पहले भी हुई थी गड़बड़ियों की जांच :-राजगढ़ रेंज में वन विभाग की ओर से कराए गए प्लांटेशन, मृदा संरक्षण और अन्य कार्यों में अनियमितताओं के आरोप पहले भी सामने आए थे। पूर्व सीसीएफ जयपुर की ओर से की गई जांच में भी कई गड़बड़ियों का उल्लेख होने की बात कही गई है। आरोपों में सरकारी राशि के बड़े हिस्से को नकदी के रूप में निकालने की बात भी शामिल है। पूर्व जांच रिपोर्ट में मामले को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को सौंपने की संस्तुति किए जाने की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में जांच दूसरे अधिकारियों को सौंपे जाने और अन्य जिलों में भी जांच कराए जाने से प्रकरण की दिशा बदल गई।

18 करोड़ से 100 करोड़ तक के आरोप :-शिकायत में शुरुआत में राजगढ़ रेंज में करीब 18 करोड़ रुपए की कथित वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। बाद में मामले में तीन डीएफओ के नाम सामने आने के बाद शिकायतकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया कि कथित अनियमितताओं की राशि बढ़कर करीब 100 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। इन आरोपों की अब जांच के दौरान पड़ताल की जाएगी। मामला पीएमओ तक पहुंचने के बाद शिकायतकर्ता से उपलब्ध साक्ष्य मांगे गए हैं। अब जांच में दस्तावेज, भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड, कार्यों की वास्तविक स्थिति और संबंधित अधिकारियों की भूमिका समेत विभिन्न बिंदुओं को देखा जा सकता है।

शिकायत से जुड़ा एक और मामला भी सामने आया है। जयपुर के एक कारोबारी ने पीएमओ को भेजी शिकायत के साथ प्रधानमंत्री राहत कोष के नाम एक करोड़ रुपए का चेक भी भेजा था। कारोबारी ने कहा था कि यदि शिकायत झूठी पाई जाती है तो यह चेक जब्त कर लिया जाए। अब पीएमओ स्तर पर जांच शुरू होने के बाद मामले से जुड़े आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जाएगी।

अजमेर खुली जेल से कैदी फरार

- **हाजिरी के दौरान कैदी नहीं मिला तो जेल प्रशासन में हड़कंप मचा**

अजमेर, (निसं)। केंद्रीय कारागृह अजमेर की खुली जेल से आजीवन कारावास की सजा काट रहा एक कैदी फरार हो गया। कैदी के शाम के समय होने वाली हाजिरी के दौरान मौजूद नहीं मिलने पर जेल प्रशासन को उसके फरार होने की जानकारी मिली। इसके बाद जेल प्रहरी की ओर से सिविल लाइन थाने में कैदी के खिलाफ खुली जेल से फरार होने की शिकायत दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कैदी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, केन्द्रीय कारागृह अजमेर में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों में से एक कैदी को खुली जेल में रखा गया था। खुली जेल में रहने वाले कैदियों की नियमित रूप से हाजिरी ली जाती है। गुरुवार शाम को जब कैदियों की हाजिरी ली गई तो संबंधित कैदी मौके पर मौजूद नहीं मिला। काफी तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर जेल प्रशासन को उसके खुली जेल से फरार होने का संदेह हुआ। इसके बाद जेल प्रहरी की ओर से मामले की सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई। शिकायत में कैदी के हाजिरी के दौरान गायब मिलने और खुली जेल से फरार होने की जानकारी दी गई। पुलिस ने कैदी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से कैदी के संभावित ठिकानों और उसके संपर्क में रहने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही फरार कैदी की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर पुलिस टीमों को भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि कैदी खुली जेल से किस समय और किस रास्ते से फरार हुआ।

एएसआई रेवतराम ने बताया किजेल प्रहरी की शिकायत पर कैदी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस फरार कैदी की तलाश कर रही है और उसके संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

नाबालिग ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं) । शहर के माता का थान स्थित 80 फीट रोड पर रहने वाले एक नाबालिग ने सुसाइड कर लिया। परिजन ने एक महिला और व्यक्ति को नामजद कर आत्महत्या के लिए उकसाए जाने का केस दर्ज कराया है। आरोप है कि नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाया गया, जिससे उसने आहत होकर सुसाइड किया। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। अग्रिम जांच की जा रही है। माता का थान पुलिस ने बताया कि 80 फीट रोड नृसिंह विहार निवासी एक नाबालिग ने सुसाइड कर लिया। उसके परिजन का आरोप है कि उसके बेटे को प्रेमजाल में फंसाया गया। इससे आहत होकर उसने सुसाइड किया। मामले में एक महिला गुडिया और कुलदीप नाम के शख्य पर आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया। अग्रिम जांच की जा रही है।

अनावृष्टि से फसलें तबाह, मुआवजे की मांग को लेकर किसानों का प्रदर्शन

बुहाना, (निसं)। क्षेत्र में अनावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे करवाकर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर गुरूवार को किसान महासभा तहसील बुहाना के बैनर तले किसानों ने उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया। किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उपखंड अधिकारी के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सरकार से फसल खराबे का निष्पक्ष आकलन करवाकर प्रभावित किसानों को राहत देने की मांग उठाई।

किसान महासभा ने ज्ञापन में बताया कि झारोड़ा, इस्माईलपुर, जैतपुर, कुहाड़वास, ठोठी, ढाका मांडी और पालोता सहित क्षेत्र के गांवों में अनावृष्टि के कारण फसलों को नुकसान हुआ है। महासभा ने संपूर्ण तहसील क्षेत्र में तत्काल फसल खराबे का सर्वे करवाने तथा प्रत्येक ग्राम में पांच किसानों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में क्रॉप कटिंग करवाने की मांग की। किसानों का कहना है कि वास्तविक नुकसान का आकलन होने के बाद राज्य सरकार से प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिलाया जाए ।

महासभा ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमित किसानों को संबंधित बीमा कंपनी से क्लेम दिलाने की मांग की। ज्ञापन में बुहाना में झुंझुनूं केंद्रीय सहकारी बैंक की शाखा शीघ्र खोलने, किसानों को प्रतिदिन छह घंटे बिना ट्रिपिंग विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं की अनावश्यक बिजली कटौती बंद करने की मांग भी की गई। किसान महासभा ने घरेलू बिजली बिलों में लगातार शून्य विद्युत खर्च दर्शाए जाने के बावजूद उपभोक्ताओं को सरकार की ओर से दी जा रही छूट का लाभ नहीं मिलने और बाद में भारी-भरकम बिल आने का आरोप लगाते हुए व्यवस्था में सुधार की मांग की। किसान महासभा तहसील बुहाना ने प्रशासन और सरकार को चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र सुनवाई कर समाधान नहीं किया गया तो महासभा की ओर से अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि, जिला अध्यक्ष कामरेड ओमप्रकाश झारोड़ा, उम्मेदसिंह बलौदा, राजकुमार नंबरदार, रमेश भालोठिया, जय भगवान, सोमवीर दोचानिया, सुबेदार छैलूराम, मुकेश, गिलू राम, महेश मेघवाल सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जेल से मोबाइल बरामद

उदयपुर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी सूर्यभानसिंह के नेतृत्व में टीम ने 15 सितंबर को जेल में तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान जेल में बंदी बैरीक की तलाशी के दौरान पास स्थित स्टोर रूम पर ताला लगा हुआ था। निचे देखा तो मौके से एक मोबाइल बरामद किया। इस दौरान बंदी नरेश हरिजन व साथियों द्वारा उक्त मोबाइल छुपाने की जानाकरी सामने आई। इस पर पुलिस ने मोबाइल जब्त कर बंदी हितेश रावत पुत्र अनिल रातव, नरेश पुत्र श्यामलाल हरिजन, निखिल रावत पुत्र अनिल रातव, विशल रावत पुत्र अनिल रावत, हिमांशु रावत पुत्र अनिल रावत एवं सोहेल उर्फ अन्ना पुत्र मोहम्मद रशीद के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार को तत्काल कदम उठाने के आदेश

राजस्थान हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग की सुरक्षा को लेकर हाईकोर्ट सख्त

- **15 सितंबर को हुई सुनवाई के बाद जारी विस्तृत फैसले में हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि न्यायपालिका को बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के मामले में किसी सामान्य सरकारी विभाग की तरह नहीं माना जा सकता**
- **हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग के मात्र 7 साल में ही टूटने के चलते पैदा हुई सुरक्षा की स्थिति को देखते हुए हाईकोर्ट ने 10 अगस्त को स्वप्रेरणा प्रसंज्ञान लिया था, सुनवाई के दौरान विशेषज्ञों की रिपोर्ट में केंद्रीय गुंबद और भवन की स्थिति को लेकर गंभीर खतरा बताया गया था**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर स्थित मुख्य पीठ के भवन की सुरक्षा को लेकर चल रहे स्वप्रेरणा प्रसंज्ञान से दायर मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को तत्काल और गंभीर कदम उठाने के आदेश दिए हैं। 15 सितंबर को हुई सुनवाई के बाद बुधवार देर रात जारी हुए विस्तृत फैसले में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार अग्रवाल और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायपालिका को बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के मामले में किसी सामान्य सरकारी विभाग की तरह नहीं माना जा सकता। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि न्याय प्रशासन राज्य का आवश्यक संवैधानिक और संप्रभु कार्य है। अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट भवन की मौजूदा स्थिति को देखते हुए मरम्मत कार्य तत्काल पूरा करने और हाईकोर्ट भवन से सटे 50 कोर्ट रूम तथा भविष्य में 10 और कोर्ट रूम बढ़ाने की क्षमता वाले नए भवन के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के आदेश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को होगी।

गौरतलब है राजस्थान हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग के मात्र 7 साल में ही टूटने के चलते पैदा हुई सुरक्षा की स्थिति को देखते हुए हाईकोर्ट ने 10 अगस्त को स्वप्रेरणा प्रसंज्ञान लिया था। सुनवाई के दौरान विशेषज्ञों की रिपोर्ट में केंद्रीय गुंबद और भवन की स्थिति को लेकर गंभीर खतरा बताया गया। हाईकोर्ट की ओर से अदालत में रखी गई संरचनात्मक पुनर्वास रिपोर्ट में कहा गया कि भवन के करीब 40 प्रतिशत हिस्से पर तत्काल ध्यान की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे सभी हिस्सों में प्राथमिकता के आधार पर पुनर्वास कार्यक्रम लागू किया जाना चाहिए। शेष 60 प्रतिशत हिस्से की भी मरम्मत की जानी चाहिए और भविष्य में इसी तरह की क्षित तथा खराबी को रोकने या उसमें देरी करने के लिए आवश्यक सावधानियां बरती जानी चाहिए।

सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि भवन की मरम्मत और पुनर्वास का काम अलग-अलग चरणों में किया जा रहा है। पूरा मरम्मत कार्य लगभग 24 महीने में पूरा होने की संभावना जताई गई है। हाईकोर्ट भवन के पुनर्वास कार्य की अनुमानित लागत करीब 117.65 करोड़ रुपये बताई गई है। करीब 60 करोड़ रुपये तृतीय चरण के लिए प्रस्तावित हैं, जिसकी स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है। अदालत के समक्ष यह भी स्पष्ट किया गया कि यह लागत मुख्य हाईकोर्ट भवन के मरम्मत की है। कोर्ट के समक्ष रखी रिपोर्ट में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया कि झालामंड, जोधपुर में नए हाईकोर्ट भवन के निर्माण का मूल बजट करीब 220 करोड़ रुपये था, जबकि मौजूदा मुख्य हाईकोर्ट भवन की मरम्मत और पुनर्वास पर करीब 117.65 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

हाईकोर्ट ने भवन की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य के अधिकारियों को मरम्मत कार्य पूरा करने के लिए तत्काल कदम उठाने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही जोधपुर में हाईकोर्ट भवन से सटे नए कोर्ट रूम के निर्माण के प्रस्ताव को आगे बढ़ाकर तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने को कहा गया है। अदालत ने यह भी अपेक्षा जताई कि मामले में जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों के खिलाफ कानून के अनुसार शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

उदयपुर में फैक्टरी से 12 लाख की कॉपर प्लेटें चोरी

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ फैक्ट्री से कॉपर प्लेटें चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस मामले को लेकर जांच में जुटी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित भुपालपुरा निवासी अभिषेक पुत्र नरेन्द्र जैन ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि मेरी मादड़ी रोड़ नं. 1 पर कुन्दन इलेक्ट्रीक नाम से फैक्ट्री है। जहां पर इलेक्ट्रोनिक मीटर बनाने के सामान रखे हुये हैं। 14 सितंबर रात में अज्ञात चोर फैक्ट्री की छत से चद्दर मोड़ कर अंदर घुस कर करीब 12 लाख रूपये की कॉपर प्लेटें चुरा ले गए। इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्ररकण दर्ज करवाया। इसी फैक्ट्री से करीब एक वर्ष पूर्व भी चोरी की वारदात हो चुकी है।

ट्रक ने ट्रैक्टर-कार को टक्कर मारी, बच्चे सहित दो की मौत

हादसे में मां-बेटे सहित चार घायल, रामदेवरा के दर्शन के लिए जा रहा था परिवार

बीकानेर, (निसं)। यहां ट्रक ने पहले ट्रैक्टर और फिर कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार में बैठे बच्चे सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चार लोग घायल हैं। इनमें दो लोग कार में थे और दो युवक ट्रैक्टर पर सवार थे। हादसा बीकानेर-श्रीडूंगरगढ़ रोड पर सिजराल होटल के पास देर रात 2 बजे हुआ। कार एक तरफ से पिचक गई। दोनों शव बुरी तरह फंस गए थे।

श्रीडूंगरगढ़ एएसआई कश्यप सिंह राघव ने बताया कि कार सवार निशा (18) पुत्री जुगलाल कस्वां और विकास (13) पुत्र संजयपाल की मौत हुई है। निशा का भाई कपिल कुमार कस्वां (22) और मां राजबाला (40) घायल हैं। ये सभी चूरू जिले के साहवा के रहने वाले हैं। यह परिवार रामदेवरा (जैसलमेर) के दर्शन के लिए जा रहा था। विकास (मृतक) इस परिवार का परिचित था। ट्रैक्टर पर सवार भादरा, हनुमानगढ़ निवासी सतवीर (22) पुत्र देवीलाल और ड्राइवर सुनील (20) पुत्र दौलतराम घायल हुए। हादसे के बाद मौके पर लोग इकट्ठा हो गए थे। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पहले घायलों को श्रीडूंगरगढ़ के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया।

इसके बाद एंबुलेंस की टीम दोबारा घटनास्थल पर पहुंची। कार में फंसे दोनों शवों को बाहर निकालने में मदद की। शवों को मोर्चरी में शिफ्ट करवाया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों और मौके पर वाहनों की स्थिति की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि ट्रक बीकानेर की तरफ से श्रीडूंगरगढ़ आ रहा था। एंबुलेंस ने घायलों को श्रीडूंगरगढ़ के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया।

प्रदेश के 20 शहरों में हल्की से तेज बारिश हुई

जयपुर। प्रदेश में गुरुवार को जयपुर सहित करीब 20 शहरों में हल्की से तेज बारिश हुई। अजमेर के सरवाड़ में सबसे अधिक 94 मिमी यानी करीब चार इंच बारिश दर्ज की गई। तेज बारिश से कई शहरों में सड़कों पर जलभराव हुआ और कुछ स्थानों पर मकानों व दुकानों में पानी भर गया।

जल संसाधन विभाग के अनुसार केकड़ी में 70, जयपुर में 55 और सवाई माधोपुर के गंगापुर सिटी में 78 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अजमेर, टोंक, जयपुर, सीकर, कोटा, जालोर, नागौर, माउंट आबू, फलोदी, चूरू, डूंगरपुर, संगरिया, सवाई माधोपुर, राजसमंद, दौसा, बूंदी और भीलवाड़ा सहित कई क्षेत्रों में हल्की से तेज बारिश हुई। केकड़ी में करीब दो घंटे तेज बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया। बूंदी में बारिश से खेतों में कटी पड़ी उड़द और सोयाबीन की फसलें भीग गईं। गंगापुर सिटी और भरतपुर के नदबई में भी बारिश के बाद बाजार और कई इलाकों में जलभराव हुआ। जयपुर के जालसू में 27, चौमूं में 25, आमेर में 24 और सांगानेर में 38 मिमी बारिश हुई।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि कम दबाव का क्षेत्र गुरुवार को भी सौराष्ट्र और आसपास के अरब सागर के ऊपर बना हुआ है। इसके अलावा नया पश्चिमी विक्षोभ भी राज्य के ऊपर सक्रिय हुआ है। इसके प्रभाव से बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ मध्यम से तेज बारिश हुई। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर को भी जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, जयपुर, कोटा और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी राजस्थान में 20 सितंबर को भी कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सा.नि.वि., संभाग द्वितीय उदयपुर मु. बाँसवाड़ा

क्रमांक : डी-462 दिनांक : 11.09.2026

अल्पकालिन निविदा सूचना संख्या- 09/2026-27

NIB Code :- PWD2627A2683

सड़क निर्माण कार्य हेतु इच्छुक संवेदको से ऑनलाईन माध्यम से दिनांक 12.09.2026 से दिनांक 22.09.2026, सायं 06:00 बजे तक निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा का अन्य विवरण वेबसाईट (http://www.eproc.rajasthan.gov.in और http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल अनुमानित लागत राशि रू. Rs. 1087.01 लाख है।

UBN- PWD2627WLOB11908

(बी.एल. भेणिया)
अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता
सा.नि.वि. संभाग द्वितीय उदयपुर
मुख्यालय बाँसवाड़ा

DIPR/C/15983/2026

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PWD CIRLCE KOTA

No.2041 Date :- 7/9/2026

Notice Inviting Bid

(NIT No. 14/2026-27)

Bid for Construction of Various Road work in Distt. Kota is Invited from interested bidders up to 06.00 PM of 22-09-2026 (Tuesday). Other Particulars of the bids may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State.
The approximate value of the procurement is Rs. 2721.17 Lacs.

UBN No.-PWD2627WSOB11764, PWD2627WSOB11765
PWD2627WSOB11766, PWD2627WSOB11767, PWD2627WSOB11768
PWD2627WSOB11769, PWD2627WSOB11770, PWD2627WSOB11771
PWD2627WSOB11772, PWD2627WSOB11773, PWD2627WSOB11774
PWD2627WSOB11775, PWD2627WSOB11776, PWD2627WSOB11777

Superintending Engineer
P.W,D. Circle Kota

DIPR/C/15853/2026

राजस्व मंडल को आधुनिक व सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्य सचिव

राजस्व बार एसो. सभागार में आयोजित कार्यक्रम को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने संबोधित किया।

अजमेर/जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि पिछले सात दशक से राजस्व मंडल राजस्थान की न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्व न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सरल एवं लोकोन्मुख बनाने में बेंच और बार दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शासन मॉडल में राजस्व मंडल का विशेष स्थान है तथा सरकार इसे मजबूत, आधुनिक एवं सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास गुरूवार को अजमेर में राजस्व बार एसोसिएशन सभागार में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व कानून एवं राजस्व प्रशासन उनके प्रशासनिक सेवा जीवन के महत्वपूर्ण क्षेत्र रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में उपखंड स्तरीय अदालतें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। राजस्व अदालतों में अदालती कार्यवाही का समय निश्चित एवं अनुमानित हो, निर्णय समय पर लिखे जाएं तथा जिला कलेक्टरों द्वारा प्रभावी निगरानी की जाए। बोर्ड ऑफ रेवेन्यू का उपखंड अधिकारियों एवं सहायक कलेक्टरों के साथ बेहतर समन्वय होना चाहिए।

मुख्य सचिव ने राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर देते हुए कहा कि न्याय में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। गरीब एवं कमजोर तबके सहित काश्तकारों के भूमि अधिकारों एवं कब्जे की सुरक्षा सुनिश्चित करना राजस्व न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने राजस्व न्याय व्यवस्था में तकनीक के अधिकाधिक उपयोग की आवश्यकता भी बताई। उन्होंने कहा कि राजस्व मंडल के नए भवन हेतु स्वीकृत 150 करोड़ की राशि से भूमि आवंटन एवं भवन निर्माण के संबंध में शीघ्र निर्णय लिया जाएगा।

इससे पूर्व मुख्य सचिव ने राजस्व मंडल का दौरा कर मंडल के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की प्रगति, डबल बेंच एवं सिंगल बेंच में प्रकरणों के निस्तारण, कॉज लिस्ट तथा प्रकरणों की प्राथमिकता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने प्रकरणों की उचित निगरानी, समयबद्ध निस्तारण एवं न्यायिक अनुशासन के निर्देश दिए। इस अवसर पर राजस्व मंडल के नए भवन के लिए भूमि आवंटन एवं बजट घोषणा की समयबद्ध पालना पर भी चर्चा हुई।

राजस्व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शंकरलाल जाट ने मुख्य सचिव का अभिनंदन करते हुए राजस्व न्याय व्यवस्था में उनके पूर्व कार्यकाल के नवाचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्व मंडल राजस्व मामलों में न्याय का महत्वपूर्ण एवं अंतिम मंच है। उन्होंने राजस्व मंडल की वर्तमान भवन व्यवस्था को देखते हुए 30 से 35 बीघा भूमि शीघ्र आवंटित कर नए भवन के निर्माण की कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया। साथ ही राजस्व मंडल में रिक्त पदों को भरने तथा एडवोकेट कोटे के पद दो से बढ़ाकर चार किए जाने की मांग भी रखी।

कार्यक्रम में राजस्व मंडल अध्यक्ष अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव राजस्व विभाग टी. रविकांत, निबंधक महावीर प्रसाद, राजस्व मंडल के सदस्य टीकमचन्द बोहरा, केसरलाल मीणा, अजीत सिंह राजावत, डॉ. शिव प्रसाद सिंह, योगेश शर्मा, सानुज कुलश्रेष्ठ, भवानी सिंह पालावत, राजेन्द्र सिंह कविया, मदन लाल नेहरा, गौरव बजाड़ एवं कमला अलारिया, उप निबंधक सुनीता यादव, उप निबंधक मोहनलाल खटनावलिया सहित राजस्व बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला से जेवर ठगे

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके में रास्ता पूछने और मदद के बहाने महिला को बातों मे उलझाकर सोने के जेवरात ठगने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात जनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार महावीर नगर इलाके में घरों में काम करने जा रही एक महिला को कुछ जनों ने रास्ता पूछने के बहाने बातों में उलझाकर महिला से सोने-चांदी के गहने उतरवा लिये और उसके हाथों में कपड़े की थैली थमाकर फरार हो गये। महिला को ठगी का एहसास होने पर उसने इसकी शिकायत महावीर नगर थाने में दी है। महावीर नगर थानाधिकारी हरेन्द्र सिंह ने बताया कि महावीर नगर इलाके के संतोषी नगर निवासी बद्री बाई ने शिकायत दी है। शिकायत में कहा कि वह इलाके में घरों में काम करती है। गुरूवार को काम पर जा रही थी, रास्ते में अज्ञात जने उसके पास आकर रूके और रास्ता पूछने लगे, महिला ने शिकायत मे कहा कि दोनों ने उसे बातों में उलझा लिया और सोने-चांदी के जेवरात ठग लिये।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण जालोर

क्रमांक-एफ()/निविदा/2026-27/ दिनांक-

NOTCE INVITING BID

Bids for I&CB Works Under PMKSY 2.0 project area in Jalore are invited from interested bidders Up to 18-09-2026 & 22-09-2026, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://Sppp. rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.	Last Date
NIT-03/ 2026-27	Construction of Display Board PMKSY 2.0 jaswantpura	WSC2627A1262	WSC2627WSOB02272	18.09.2026
NIT-04/ 2026-27	Painting Work on Anicut PMKSY 2.0 jaswantpura	WSC2627A1264	WSC2627WSOB02273	18.09.2026
NIT-05/ 2026-27	Stone Masonary Display Board PMKSY 2.0 Chitalwana	WSC2627A1323	WSC2627WSRC02385	22.09.2026
NIT-06/ 2026-27	Tanka Wall Painting PMKSY 2.0 Chitalwana	WSC2627A1324	WSC2627WSRC02386	22.09.2026
NIT-07/ 2026-27	Vehicle Hiring in PMKSY 2.0 Chitalwana	WSC2627A1327	WSC2627SSRC02389	22.09.2026
NIT-03/ 2026-27	Construction of Prathna Sthal Tinshed PMKSY 2.0 Ahore	WSC2627A1296	WSC2627WSOB02348	18.09.2026
NIT-03/ 2026-27	Construction of Stone masonry display board PMKSY 2.0 Ahore	WSC2627A1296	WSC2627WSOB02349	18.09.2026
NIT-03/ 2026-27	Wall Painting PMKSY 2.0 Ahore	WSC2627A1296	WSC2627WSOB02350	18.09.2026
NIT-03/ 2026-27	PD Charagarh Seldi PMKSY 1.0 Ahore	WSC2627A1296	WSC2627WSOB02351	18.09.2026
NIT-03/ 2026-27	Construction of Stone masonry display board PMKSY 2.0 Sanchore	WSC2627A1278	WSC2627WSOB02321	18.09.2026
NIT-04/ 2026-27	Tanka Painting works PMKSY 2.0 Sanchore	WSC2627A1279	WSC2627WSOB02322	18.09.2026

(Tarachand Sharma)
SE & PM WDSC, JALORE
DDO CODE NO. 28606